महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा की पीएच•डी• [हिन्दी]
उपाधि हेतु प्रस्तुत शोध-प्रबंध

“सूर्यबाला का गद्य साहित्य : एक अध्ययन”

शोध-छात्रा

सालवे आशा गोविंदराव

नामांकन संख्या-FOA/1483 (11-03-2019)

शोध-निर्देशक

प्रो.कल्पना गवली

प्रोफ़ेसर, हिन्दी विभाग, कला संकाय

महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा (गुजरात)

२०२३

CERTIFICATE

This is to certify that the thesis entitled **"सूर्यबाला का गद्य साहित्य : एक अध्ययन"** which is being submitted by **Salve Asha Govindrao** for the fulfillment of the Award of Degree of Doctor of Philosophy in Hindi to The Maharaja Sayajirao University of Baroda, is a record of bona-fide work carried by her under my Supervision and Guidance at **Department of Hindi, Faculty of Arts, The Maharaja Sayajirao University of Baroda, Vadodara.** The mater presented in the thesis is independent, original and has not been submitted for the award of any other degree.

Date **:**
Place **: Vadodara**

GUIDE
प्रो.कल्पना गवली

Department of Hindi, Faculty of Arts,
The Maharaja Sayajirao University of Baroda,
Vadodara

Head
Department of Hindi

Dean
Faculty of Arts

The Maharaja Sayajiroa University of Baroda.
Vadodara

DECLARATION

I hereby declare that the thesis entitled "सूर्यबला का गद्य साहित्य : अध्ययन" which is submitted herewith to The Maharaja Sayajirao University of Baroda, Vadodara for the fulfillment of the award of the degree of Doctor of Philosophy in Hindi is the result of the work carried out by me under the able Guidance of Prof. Kalpana Gavli, Department of Hindi, Faculty of Arts, The Maharaja Sayajirao University of Baroda, Vadodara.

I declare that the research work has not been previously submitted/presented for any other degree.

Researcher
Salve Asha Govindrao
Ph.D. Registration No. : FOA/1483
Date of Registration : 11/03/2019

Date :
Place : Vadodara

CERTIFICATE FOR ARTICLE

Prof.Kalpana Gavli
Department of Hindi
The Maharaja Sayajirao University of Baroda
Vadodara- 390002 (Gujarat) India
Accredited Grade A by NACC

Date:

CERTIFICATE

This is to certify that **Salve Asha Govindrao** has conducted a research work for Ph.D. titled **सूर्यबाला का गद्य साहित्य : एक अध्ययन (Suryabala ka Gadya Sahitya : Ek Adhyayan)** at Department of Hindi, Faculty of Arts, The Maharaja Sayajirao University of Baroda, Vadodara. She has two publications related to his subject.

1 . ''सूर्यबाला के उपन्यासों में व्याप्त शिक्षा और बेरोजगारी की समस्या" [शोध-ऋतु, संपादक- डॉ• सुनील जाधव, अंक : 28 (Volume -1) अप्रैल-जून (2022) पृ• 48-50]

1. "सूर्यबाला के बालसाहित्य में बच्चों की समस्याएं" [साहित्य वीथिका, संपादक- डॉ• दिलीप मेहरा, अंक : 21 वर्ष- 12, अप्रैल-जून (2022) पृ• 63-65]

GUIDE

Prof. Kalpana Gavli
Department of Hindi, Faculty of Arts
The Maharaja Sayajirao University Of Baroda, Vadodara

CERTIFICATE FOR ANTI PLAGIARISM

This is to certify that the Ph.D. Thesis entitled **"Suryabala ka Gadya Sahitya : Ek Adhyayan"** submitted by **Salve Asha Govindrao** has been checked for anti-plagiarism test by Ithenticate software provided by The M. S. University of Baroda. After checking, it is found that 0% of similarity and is below the allowable plagiarism notified by the University Grant Commission. This research work has been carried out by **Salve Asha Govindrao** under supervision, **Department of Hindi, Facultuy of Arts, The M. S. University of Baroda.**

Prof. Kalpana Gavli
Ph. D. Guide
Professor
Department of Hindi,
Faculty of Arts,
The M.S. University of Baroda, Vadodara

महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा,

वडोदरा (गुजरात)

घोषणा-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा (गुजरात) के कला संकाय (हिन्दी विभाग) की पीएच. डी. उपाधि हेतु प्रस्तुत शोध प्रबंध **प्रो० कल्पना गवली** के निर्देशन में सम्पन्न किया गया, जिसका शीर्षक **"सूर्यबाला का गद्य साहित्य : एक अध्ययन"** है। मैं यह घोषणा करती हूँ कि यह मेरा स्वयं का मौलिक कार्य है। मेरी जानकारी के अनुसार इस शोध-शीर्षक पर विश्वविद्यालय या अन्य विश्वविद्यालय तथा किसी अन्य संस्था एवं पूर्व में इस प्रकरण पर कोई शोधकार्य नहीं किया गया है।

दिनांक :

स्थान :

शोधार्थी

सालवे आशा गोविंदराव

हिंदी विभाग, कला संकाय
महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा
एवं नागरी लिपि परिषद,
नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी
ऑनलाइन और ऑफलाइन

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रो / डा / कुमार / कुमारी आशा जी. सालवे
संस्था महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा ने
'सोशल मीडिया में देवनागरी लिपि की उपयोगिता' विषय पर दिनांक **28/03/2022** को आयोजित संगोष्ठी में वक्ता / प्रतिभागी / परामर्शक के रूप में सहभागिता की । हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं ।

संयोजक

डा. हरिसिंह पाल
महामंत्री, नागरी लिपि
परिषद, दिल्ली ।

प्रो. कल्पना गवली
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, कला संकाय
महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा

हिंदी पत्रिका ''साहित्य परिवार'' के संपादक मंडल तथा हिंदी साहित्य मंच - गुजरात के संयुक्त तत्ववधान में आयोजित - एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक : 26/9/2021

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्रीमान / श्रीमती आशा गोविंदराव सालवे.

निवासी वडोदरा एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी **'समकालीन उपन्यास और सूर्यदीन यादव के उपन्यास'** विषय पर आलेख प्रस्तुत किया / सहभागिता की / श्रोता के रुपमें भाग लिया है । आप के उज्ज्वल भविष्य की शुभ कामना करते हैं ।

संपादक - साहित्य परिवार
डॉ. सूर्यदीन यादव
३, पुनीत कॉलोनी,
नडियाद, खेडा

अध्यक्ष - (सेमिनार)
प्रो. डॉ. दिलीप मेहरा
स. प. वि.
विद्यानगर, आणंद

संयोजक
प्रो. डॉ. कल्पना गवली
अध्यक्ष - हिंदी साहित्य मंच
बडौदा (गुजरात)

आभार

प्रस्तुत शोध-प्रबन्ध के पूर्णता के अवसर पर सभी विद्वान गुरुजनों, मित्रों एवं सहयोगियों के प्रति आभार प्रकट करती मैं अपना पुनीत कर्तव्य समझती हूँ, जिनका मार्गदर्शन, आशीर्वाद एवं सहयोग प्राप्त हुआ है ।

सर्वप्रथम मैं अपने परम आदरणीय शोध-निर्देशक प्रो• कल्पना गवली, प्रोफेसर एवं प्राचार्य, हिन्दी विभाग, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय वडोदरा, गुजरात का ऋणी हूँ, जिन्होंने शोधकार्य हेतु विषय चयन से लेकर अपने विद्वत्तापूर्ण निर्देशन की सहर्ष स्वीकृति प्रदान की। वस्तुतः यह स्वीकृति मुझे अल्पज्ञ हेतु विद्या प्रदायनी सरस्वती का साक्षात् अनुग्रह ही था। आपकी विद्या प्रदायनी सरस्वती स्वरूपा विद्वत्ता एवं निर्देशन के परिणामस्वरूप ही मैं यह शोध स्तरीय गहन अध्ययन पूर्ण कर सकी।

मैं अपने विभागाध्यक्ष प्रो• कल्पना गवली के प्रति आभार ज्ञापित करता हूँ, जिनके सान्निध्य में मैंने अपना शोध-प्रबन्ध पूर्ण किया।

मैं अपने विभाग के आदरणीय प्राध्यापकगण प्रो• दक्षा मिस्त्री, प्रो• दीपेंद्र सिंह जडेजा, डॉ• माया प्रकाश पांडेय, डॉ• एन• एस• परमार ,डॉ. निनामा आदि के प्रति आभारी हूँ, जिनका स्नेह एवं सहयोग मुझे सदैव प्राप्त हुआ है।

मैं महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा के पुस्तकालय हंसा मेहता, और सोशल मीडिया माध्यम की आभार प्रकट करती हु जिसके माध्यम शोध कार्य में सहायता प्राप्त हुई।

मैं अपने पूज्यनीय स्वर्गीय नाना-नानी सावलाराम और सुंदरबाई , माता-पिता श्रीमती तारा एवं श्री गोविंदराव के प्रति नतमस्तक हूँ जिनका आशीर्वाद मेरा सम्बल रहा है। मैं वादनीय एवं स्वर्गीय स्नेहलता लेखी और परम पूज्य राजकुमार लेखीजी का अपने

सहहृदय से आभारव्यक्त व्यक्त करती हूं जिनकी प्रेरणाओं ने हमेशा मुझे साहस बढ़ाया उपरोक्त सभी के आशीर्वाद से शोध सफलता पूर्वक पूर्ण हुआ।

मेरे शोधकार्य का सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष मेरे जीवन साथी हितेंद्र पटेल मेरा ची०पुत्र अक्ष हितेंद्र पटेल का रहा है। आपके सहयोग के बिना यह महत्त्वपूर्ण कार्य पूर्ण करना सम्भव नहीं था। मेरे हर पक्ष में आपका सदा सहयोग रहा और मैं अपने शोध को पूर्णता की ओर ले गई। इस सहयोग को मैं अपने शब्दों में नहीं पिरो सकती।इसके पश्चात् मैं अपने सास-ससुरजी नीरू हसमुख पटेल,हसमुख पटेल,मेरे छोटे भाई बहनों में नितिन सालवे भाभी अनीता सालवे, आरती रविद्र जाधव,रविन्द्र जाधव भारती सालवे मेरे प्यारे प्रीत गौरी और देवांशी इन सबके योगदान को मेरे अहसास के माध्यम से महसूस किया जा सकता है।

मैं अपने मित्रों एवं सहयोगियों में सीमा यादव,मीरा मनवर, प्रीती जाधव,पूनम तोमर, प्रेम शंकर सिंह, नागेंद्र कुमार शर्मा, पिंटू यादव, ईश्वरभैया, सुनीलजी जिन्होंने शोध प्रबन्ध की पूर्णता में अपना बहुमूल्य सहयोग दिया है।

मैं उन सभी साहित्यकारों और समीक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ जिनकी कृतियों से मैंने प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप में सहायता और विचारोत्तेजना प्राप्त की हैं।

शोध-छात्रा

सालवे आशा गोविंदराव

महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय,

बडौदा, गुजरात